प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय के 111वें किसान मेला में सतत् कृषि अपनाकर विकास करने के आयामों पर जोर

विश्वविद्यालय में चल रहे चार दिवसीय 111वें किसान मेला व कृषि उद्योग प्रदर्शनी के माध्यम से सतत् कृषि तकनीकों एवं कृषि पद्धतियों का प्रदर्शन किसानों के मध्य मुख्य आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। सतत् कृषि को लेकर विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों के स्टालों पर विद्यार्थियों द्वारा मॉडल बनाया गया है। कृषि महाविद्यालय के स्टाल में मधुमक्खी पालन, फसल सुरक्षा, फसल उत्पादन, मशरूम उत्पादन, कृषि निवेश, हाइड्रोपोनिक्स, कृषि प्रसार एवं संचार में सतत् विकास के विभिन्न आयामों को दर्शाया गया है। विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय ने बायोफर्टिफिकेशन को सतत् कृषि से जोड़कर मॉडल प्रस्तुतिकरण किया गया है। वहीं गृह विज्ञान महाविद्यालय के स्टाल पर महिला सशक्तिकरण के आयामों को दर्शाया गया है। प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ने हाइड्रोपोनिक्स, फल प्रसंस्करण इकाई, परिश्रम कम करने वाले कृषि यांत्रिकी व जल एवं ऊर्जा प्रदर्शन संरक्षण इकाईयों के माध्यम से किसानों के लिए प्रदर्शन लगाया हैं। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा कृषकों की आय बढ़ाने हेतु मत्स्य पालन से सम्बन्धित नवीनतम तकनीकों व व्यावसायिक आयामों पर मॉडल का प्रदर्शन किया गया हैं। पशुविज्ञान महाविद्यालय द्वारा भी पशुपालकों के लिए आय वृद्धि की तकनीकों पर केन्द्रित मॉडल व बैनर प्रदर्शित किये गये हैं। साथ ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से आये आई.वी.आर.आई. एवं केन्द्रिय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली द्वारा सघन चारा एवं उन्नत पोल्ट्री प्रजाति से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी का प्रदर्शन लगाया है।

महाविद्यालय के स्टालों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते किसान।